Thali Bharke Lai Re Khichado | By Mukesh Bagda

कर्मा बेटी जाट की थी भोली नादान भगता की पात राख ली म्हारा खाटू वाला श्याम

थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो ऊपर घी की बाटकी जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की जिमावे बेटी जाट की थाली भर कर ल्याई रे खीचडो

बाबो म्हारो गाँव गयो है ना जाने कद आवेलो ऊके भरोसे बैठो रयो तो भूखो ही रह जावेलो आज जिमाऊ तन्ने खीचड़ो काल राबड़ी घाट की जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की जिमावे बेटी जाट की थाली भर कर ल्याई रे खीचडो

बार बार मंदिर ने जुड़ती बार बार मैं खोलती कैया कोणी जीमे रे मोहन करड़ी करड़ी बोलती तू जीमे तो जद मैं जीमु मानु ना कोई लाटकी जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की जिमावे बेटी जाट की थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो

पर्दो भूल गई सांवरिया पर्दो फेर लगायो जी घावलिये की ओट बैठ कर श्याम खीचड़ो खायो जी भोला भाला भगता सु सांवरिया कैया आटकी जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की जिमावे बेटी जाट की थाली भर कर ल्याई रे खीचड़ो

भक्ति हो तो कर्मा जैसी सांवरियो घर आवेलो सोहन लाल लोहाकार प्रभु का हर्ष हर्ष गुण जावेलो सांचो प्रेम प्रभु से हो तो मूरत बोले काठ की जीमो म्हारा श्याम धणी जिमावे बेटी जाट की जिमावे बेटी जाट की थाली भर कर ल्याई रे सीचड़ो

https://bhaktivandana.com/lyrics/thali-bharke-lai-re-khichado-by-mukesh-bagda/